NEWSLETTER

Saturday, 14 september 2024 | Volume - 115

News | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

सीएआई ने 2023-24 में कपास प्रेसिंग का अनुमान बढ़ाकर 323.02 लाख गांठ

GOLD : 73510
SILVER : 89244
CRUDE OIL : 5782

सीएआई ने 2023-24 में कपास प्रेसिंग का अनुमान बढ़ाकर 323.02 लाख गांठ किया।

कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (CAI) ने 1 अक्टूबर 2023 से शुरू होने वाले 2023-24 सीजन के लिए कॉटन प्रेसिंग नंबरों का अपना अगस्त का अनुमान जारी किया है। 11 कपास उत्पादक राज्य संघों के सदस्यों और अन्य व्यापार स्रोतों से प्राप्त इनपुट के आधार पर, CAI ने 2023-24 सीजन के लिए अपने कॉटन प्रेसिंग के आंकड़ों का अनुमान 170 किलोग्राम प्रत्येक के 323.02 लाख गांठों (162 किलोग्राम प्रत्येक के 338.97 लाख रनिंग बेल्स के बराबर) पर लगाया है। पिछले फसल वर्ष के संगत आंकड़ों के साथ-साथ सीजन के लिए कॉटन प्रेसिंग नंबरों के साथ-साथ बैलेंस शीट का राज्यवार विवरण संलग्न है।

अगस्त 2024 के अंत तक कुल कपास की आपूर्ति 170 किलोग्राम की 362.18 लाख गांठ होने का अनुमान है। प्रत्येक (162 किलोग्राम प्रत्येक की 380.07 लाख रनिंग बेल के बराबर) जिसमें 170 किलोग्राम प्रत्येक की 319.08 लाख बेल (162 किलोग्राम प्रत्येक की 334.84 लाख रनिंग बेल के बराबर) की प्रेसिंग, 170 किलोग्राम प्रत्येक की 14.20 लाख बेल (162 किलोग्राम प्रत्येक की 14.90 लाख रनिंग बेल के बराबर) का आयात और सीएआई द्वारा सीजन की शुरुआत में 170 किलोग्राम प्रत्येक की 28.90 लाख बेल का अनुमानित ओपनिंग स्टॉक (162 किलोग्राम प्रत्येक की 30.33 लाख रनिंग बेल के बराबर) शामिल है।

सीएआई ने कपास सीजन 2023-24 के अंत तक (यानी 30 सितंबर 2024 तक) अपनी कुल कपास आपूर्ति का अनुमान 170 किलोग्राम प्रत्येक की 368.32 लाख बेल पर लगाया है। कुल कपास आपूर्ति में 1 अक्टूबर 2023 को 2023-24 सीजन की शुरुआत में 28.90 लाख गांठों (प्रत्येक 162 किलोग्राम के 30.33 लाख चलित गांठों के बराबर) का शुरुआती स्टॉक, सीजन के लिए अनुमानित कपास प्रेसिंग संख्या 170 किलोग्राम के 323.02 लाख गांठ (प्रत्येक 162 किलोग्राम के 338.97 लाख चलित गांठों के बराबर) और सीजन के लिए अनुमानित आयात समान स्तर यानी 170 किलोग्राम के 16.40 लाख गांठ (प्रत्येक 162 किलोग्राम के 17.21 लाख चलित गांठों के बराबर) शामिल हैं।

भारतीय कपास संघ

सीएआई फसल रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित हैं

• खपत

सीएआई ने 2023-24 सीजन के लिए कपास की खपत 170 किलोग्राम प्रत्येक की 317 लाख गांठ (162 किलोग्राम प्रत्येक की 332.65 लाख चालू गांठों के बराबर) पर बनाए रखी है, यानी पहले के अनुमान के बराबर।
31 अगस्त 2024 तक, खपत 170 किलोग्राम प्रत्येक की 291.00 लाख गांठ (162 किलोग्राम प्रत्येक की 305.37 लाख चालू गांठों के बराबर) होने का अनुमान है।

• कपास प्रेसिंग

सीएआई फसल समिति की बैठक में अपकंट्री एसोसिएशनों और व्यापार स्रोतों द्वारा प्रस्तुत फसल रिपोर्ट के अनुसार, समिति ने अपने कपास प्रेसिंग के आंकड़ों का अनुमान 170 किलोग्राम प्रत्येक की 323.02 लाख गांठ लगाया है। प्रत्येक (162 किलोग्राम प्रत्येक की 338.97 लाख रनिंग बेल के बराबर)।

• आयात

2023-24 सीजन के दौरान भारत में कपास के आयात का अनुमान भी पहले के अनुमान के अनुसार ही बनाए रखा गया है यानी 170 किलोग्राम प्रत्येक की 16.40 लाख गांठें (162 किलोग्राम प्रत्येक की 17.21 लाख रनिंग बेल के बराबर) जबकि पिछले सीजन के लिए 170 किलोग्राम प्रत्येक की 12.50 लाख गांठें (162 किलोग्राम प्रत्येक की 13.12 लाख रनिंग बेल के बराबर) का अनुमान लगाया गया था।

• निर्यात

समिति ने अपने कपास निर्यात अनुमान को 170 किलोग्राम की 28.00 लाख गांठ (प्रत्येक 162 किलोग्राम की 29.38 लाख चालू गांठों के बराबर) अनुमानित किया है। फसल वर्ष 2023-24 के लिए कपास निर्यात 170 किलोग्राम की 15.50 लाख गांठों की तुलना में 170 किलोग्राम की 12.50 लाख गांठें अधिक होने का अनुमान है। पिछले सीजन में अनुमानित 16.27 लाख गांठें (162 किलोग्राम प्रत्येक की 16.27 लाख गांठें) थीं।
31 अगस्त 2024 तक, 170 किलोग्राम प्रत्येक की लगभग 27 लाख गांठें (162 किलोग्राम प्रत्येक की 28.33 लाख गांठें) भारत से भेजे जाने का अनुमान ह।

• 30 सितंबर 2024 तक समापन स्टॉक

30 सितंबर 2024 तक समापन स्टॉक 170 किलोग्राम की 23.32 लाख गांठें होने का अनुमान है। पिछले वर्ष 28.90 लाख गांठें (प्रत्येक 170 किग्रा.) (प्रत्येक 30.33 लाख गांठें (प्रत्येक 162 किग्रा.) थीं, जबकि पिछले वर्ष 28.90 लाख गांठें (प्रत्येक 162 किग्रा.) थीं।

कपास बाजार की साप्ताहिक गतिविधि पर एक नजर

SMART INFO SERVICES			
CALL : 91116 77771			
WEEKLY CHART 14.09.2024			
ICE COTTON			
MONTH	06.09.24	13.09.24	WEEKLY CHANGE
DEC	67.88	69.82	1.94
MAR'25	69.69	71.24	1.55
MAY'25	71.02	72.41	1.39
MCX (COTTON)			
SEP	59000	58600	-400
NOV	58700	58100	-600
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1622	1615.2	-7
NCDEX (COCUD KHAL)			
SEP	3452	3715	263
DEC	2975	3069	94
JAN	2962	3015	53
SMART INFO SERVICE		**CALL : 91116 77771**	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	83.95	83.89	-0.06
PAK (Pakistani Rupee)	278.408	278.575	0.167
CNY (Chinese yuan)	7.08763	7.09305	0.00542
BRAZIL (Real)	5.59875	5.56502	-0.03373
AUSTRALIAN Dollar	1.49937	1.49164	-0.00773
MALAYSIAN RINGGITS	4.33324	4.30195	-0.03129
COTLOOK "A" INDEX	80.80	81.95	1.15
BRAZIL COTTON INDEX	70.83	70.52	-0.31
USDA SPOT RATE	61.37	63.76	2.39
MCX SPOT RATE	60140	59760	-380
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	18300	18500	200
GOLD ($)	2524.60	2610.70	86.1
SILVER ($)	28.183	31.074	2.891
CRUDE ($)	67.67	68.65	0.98

इस सप्ताह, इंटरनेशनल मार्केट मे मिलाजुला वाला माहौल रहा।

इंटरकांटिनेंटल कॉटन एक्सचेंज के भाव दिसंबर 1.94 सेंट, मार्च 1.55 एवं मई 1.39 सेंट तक बढ़े।

वही भारतीय बाजार MCX पर कॉटन के दाम में सितम्बर माह में 400 रुपऐ और नवंबर माह में 600 रुपऐ की गिरावट देखने को मिली।

NCDEX पर कपास के भाव 7 रूपए प्रति 20 किलो तक गिरे, वहीं खल के भाव देखे तो सितम्बर माह में 263 रुपए, दिसंबर माह में 94 रुपए, और जनवरी माह में 53 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़त दर्ज की गई।

अन्य देशों के कॉटन मार्केट पर नजर करें तो कॉटलुक "ए" इंडेक्स में बढ़त देखी गई, USDA स्पॉट रेट 2.39 सेंट बढ़ा, वही MCX स्पॉट रेट में 380 रुपए प्रति कैंडी भाव में गिरावट देखने को मिली।

देश भर के प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में इस सप्ताह कपास की आवक

SMART INFO SERVICES						
ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL						
CALL : 91116 77771						
STATE	09.09.24	10.09.24	11.09.24	12.09.24	13.09.24	14.09.24
PUNJAB	-	-	-	-	-	-
HARYANA	-	-	100	100	100	100
UPPER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
LOWER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
NORTH ZONE	-	-	100	100	100	100
GUJARAT	2,000	2,000	1,800	1,700	1,500	1,500
MADHYA PRADESH	-	-	-	-	-	-
MAHARASHTRA	1,500	500	1,500	1,500	1,500	1,500
CENTRAL ZONE	3,500	2,500	3,300	3,200	3,000	3,000
KARNATAKA	1,600	2,000	1,500	1,600	1,300	1,500
ANDHRA PRADESH	800	1,000	1,000	1,000	1,000	800
TELANGANA	-	-	-	-	-	-
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	2,400	3,000	2,500	2,600	2,300	2,300
ODISHA	-	-	-	-	-	-
TOTAL	5,900	5,500	5,900	5,900	5,400	5,400
ARRIVAL IN 170 Kg.						

अजित पवार के अनुसार, केंद्र कपास और सोयाबीन के लिए एमएसपी बढ़ाने के पक्ष में है।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने बुधवार को उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार सोयाबीन और कपास जैसी प्रमुख कृषि फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाने के साथ-साथ इन उत्पादों के लिए निर्यात की अनुमति देने के लिए इच्छुक है। पवार, जो वित्त और योजना विभागों की भी देखरेख करते हैं, ने मुंबई में मंत्रालय में किसान प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक के दौरान ये टिप्पणियां कीं।

पवार ने किसानों को आश्वस्त किया कि राज्य और केंद्र सरकारें यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि उन्हें फसल के नुकसान के लिए उचित मुआवजा मिले। उन्होंने कहा कि केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ चर्चा सकारात्मक रही है, खासकर एमएसपी बढ़ाने और बीमा कंपनियों द्वारा धोखाधड़ी की प्रथाओं को रोकने के मुद्दों पर। उन्होंने कहा, "केंद्र सरकार फसल बीमा कंपनियों से मुआवजे के बारे में किसानों की चिंताओं को दूर करने के लिए उत्सुक है "और इसके सकारात्मक परिणाम जल्द ही दिखाई देंगे।

उपमुख्यमंत्री ने राज्य की 11,500 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पन्न करने की महत्वाकांक्षी योजना पर भी प्रकाश डाला, जिससे कृषि पंपों के लिए दिन में बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित होगी। इसके अतिरिक्त, उन्होंने उल्लेख किया कि सरकार महात्मा ज्योतिराव फुले योजना के तहत पात्र किसानों को ऋण माफी प्राप्त करने से रोकने वाली सभी बाधाओं को दूर करने के लिए काम कर रही है, जिसका लक्ष्य सितंबर के अंत तक इन मुद्दों को हल करना है।

फसल बीमा के विषय पर, पवार ने जोर दिया कि सरकार बीमा फर्मों द्वारा धोखाधड़ी करने वाले तरीकों से किसानों को बचाने के लिए कड़ा रुख अपना रही है। उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया कि अधिक किसान-अनुकूल समाधान विकसित करने के लिए बीमा कंपनियों के साथ चर्चा चल रही है। खरीफ सीजन के दौरान भारी बारिश से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए वर्तमान में सर्वेक्षण किए जा रहे हैं और सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है कि कोई भी प्रभावित किसान सहायता के बिना न रहे।

पवार ने यह भी उल्लेख किया कि केंद्र ने प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध नहीं लगाने का फैसला किया है, जिससे किसानों को कुछ राहत मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि महात्मा ज्योतिराव फुले किसान ऋण माफी योजना के तहत धनराशि हस्तांतरित करने की प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है। भुगतान में विसंगतियों की समीक्षा की जा रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी किसानों को उनके हक का पूरा लाभ मिले।

आने वाले दिनों में, राज्य के मंत्रियों का एक प्रतिनिधिमंडल केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह सहित केंद्रीय नेताओं से मुलाकात करेगा, जिसमें कृषि सब्सिडी, फसलों के लिए एमएसपी और किसानों के लिए अन्य सहायता उपायों जैसे लंबित मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। कृषि कुओं, ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई और फलों के बागों के लिए सब्सिडी वितरित करने के प्रयास भी चल रहे हैं।

अंत में, पवार ने किसानों को आश्वासन दिया कि राज्य सरकार, केंद्र के साथ समन्वय में, उनकी चिंताओं को दूर करने और यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है कि उनकी मांगें पूरी हों, खासकर एमएसपी, फसल बीमा और नुकसान के मुआवजे के संबंध में।

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

सिद्दीपेट में कपास की फसल पैराविल्ट रोग से प्रभावित

लगातार बारिश के कारण कपास के पौधों में समय से पहले पत्तियां और दाने गिरने लगे हैं, जिससे किसान काफी चिंतित हैं।

भारी बारिश के कारण गुजरात में कपास उत्पादन में 10 से 15 प्रतिशत की गिरावट आने की आशंका

गुजरात में लगातार हो रही बारिश ने किसानों में गहरी चिंता पैदा कर दी है। जलाशयों में पर्याप्त पानी भरा हुआ है, लेकिन खेतों में बोई गई फसलें पानी के बहाव के कारण खराब हो रही हैं। कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएआई) और किसानों के अनुमान के अनुसार, कम बुआई और बारिश के कारण फसल को हुए नुकसान के कारण इस साल गुजरात में कपास उत्पादन में 10-15 प्रतिशत की गिरावट आने की संभावना है। किसानों का कहना है कि जून और जुलाई में हुई बारिश ने सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है।

गुजरात के बोटाद मार्केटिंग यार्ड में कपास की कीमतों में तेजी और किसानों की आय में वृद्धि

किसानों की फसल बेचने के लिए आज बोटाद मार्केटिंग यार्ड में वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं। सौराष्ट्र के अन्य विपणन यार्डों की तुलना में इस यार्ड में कपास की कीमतें सबसे अधिक होने के कारण यह किसानों की पहली पसंद बन गया है। किसानों को यहां अपनी उपज के बेहतरीन दाम मिल रहे हैं, जिससे बोटाद विपणन यार्ड की लोकप्रियता बढ़ गई है।

तेलंगाना में कपास किसानों को मौसम की अनिश्चितता के कारण अनिश्चित भविष्य का सामना करना पड़ रहा है

तेलंगाना में कपास किसानों ने उम्मीद खो दी है क्योंकि प्रतिकूल मौसम की स्थिति उनकी आजीविका को प्रभावित कर रही है। प्री-मानसून बारिश के बाद मई के अंत में शुरू हुई कपास की शुरुआती बुवाई को लंबे समय तक सूखे के कारण गहरा झटका लगा है।

कपास की कीमतें आसमान छू रही हैं, एमएसपी से 3% अधिक, कम बुवाई के कारण कीमतें और बढ़ेंगी

कपास की कमी के कारण बाजार में कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। चालू सीजन में कपास की कीमतें न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) से 3% अधिक हो गई हैं, और विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य में इनमें और उछाल आ सकता है।

इस सप्ताह, रुई बाजार में बढ़त वाला माहौल देखा गया।

इस सप्ताह, रुई बाजार में बढ़त वाला माहौल देखा गया।

नार्थ झोन के पंजाब, अपर राजस्थान राज्य में स्थिरता रही, वही हरयाणा में 35 रुपए प्रति मंड तक की गिरावट दर्ज की गई।

सेंट्रल झोन के गुजरात, महाराष्ट्र राज्य में 100 - 200 रुपए प्रति कैंडी की गिरावट देखि गई, जबकि मध्यप्रदेश राज्य में स्थिरता रही।

साउथ झोन के ओड़िशा, कर्णाटक राज्य में 300 रुपए प्रति कैंडी की गिरावट रही, जबकि आँध्रप्रदेश राज्य में 500 रुपए प्रति कैंडी की बढ़त दर्ज की गई, वही तेलंगाना राज्य में स्थिरता नज़र आयी।

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91116 77771

DATE: 14.09.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	09.09.2024		14.09.2024		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,875	5,900	5,880	5,900	0
HARYANA	27.5/28	5,810	5,810	5,775	5,775	-35
UPPER RAJASTHAN	28	5,550	5,900	5,525	5,900	0
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	58,800	60,300	58,800	60,200	-100
MADHYA PRADESH	29	59,600	59,800	59,600	59,800	0
MAHARASHTRA	29+ vid.	59,500	60,000	58,800	59,800	-200
SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	60,600	60,700	60,300	60,400	-300
KARNATAKA	29.5+	59,800	60,300	59,500	60,000	-300
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	58,500	59,000	59,000	59,500	500
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	60,500	61,000	60,500	61,000	0

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE
FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77775

NEWSLETTER

Saturday, 14 september 2024 | Volume - 115

News | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

CAI raises estimate of cotton pressing numbers in 2023-24 to 323.02 lakh bales

GOLD : 73510
SILVER : 89244
CRUDE OIL : 5782

CAI raises estimate of cotton pressing numbers in 2023-24 to 323.02 lakh bales

The Cotton Association of India (CAI) has released its August estimate of cotton pressing numbers for the 2023-24 season commencing on 1 October 2023. Based on inputs received from members of 11 cotton producing state associations and other trade sources, CAI has estimated its cotton pressing numbers for the 2023-24 season at 323.02 lakh bales of 170 kg each (equivalent to 338.97 lakh running bales of 162 kg each). State-wise details of cotton pressing numbers as well as balance sheet for the season along with corresponding figures of the previous crop year are enclosed.

Total cotton supply by end of August 2024 is estimated at 362.18 lakh bales of 170 kg. each (equivalent to 380.07 lakh running bales of 162 kg each) which includes pressing of 319.08 lakh bales of 170 kg each (equivalent to 334.84 lakh running bales of 162 kg each), imports of 14.20 lakh bales of 170 kg each (equivalent to 14.90 lakh running bales of 162 kg each) and estimated opening stock of 28.90 lakh bales of 170 kg each at the beginning of the season by CAI (equivalent to 30.33 lakh running bales of 162 kg each).

CAI has estimated its total cotton supply by the end of cotton season 2023-24 (i.e. up to 30th September 2024) at 368.32 lakh bales of 170 kg each. Total cotton supplies include opening stocks of 28.90 lakh bales (equivalent to 30.33 lakh running bales of 162 kg each) at the start of the 2023-24 season on October 1, 2023, estimated cotton pressing numbers for the season at 323.02 lakh bales of 170 kg each (equivalent to 338.97 lakh running bales of 162 kg each) and estimated imports for the season at the same level i.e. 16.40 lakh bales of 170 kg each (equivalent to 17.21 lakh running bales of 162 kg each).

COTTON ASSOCIATION OF INDIA

The following are the key highlights of the CAI crop report:

- **Consumption**

CAI has maintained cotton consumption for the 2023-24 season at 317 lakh bales of 170 kg each (equivalent to 332.65 lakh running bales of 162 kg each), i.e. same as earlier estimate.
By 31st August 2024, consumption is estimated at 291.00 lakh bales of 170 kg each (equivalent to 305.37 lakh running bales of 162 kg each).

- **Cotton Pressing**

As per the crop reports submitted by upcountry associations and trade sources in the CAI Crop Committee meeting, the Committee has estimated its cotton pressing figures at 323.02 lakh bales of 170 kg each (equivalent to 338.97 lakh running bales of 162 kg each).

- **Imports**

The estimate of cotton imports into India during 2023-24 season has also been retained at the earlier estimate i.e. 16.40 lakh bales of 170 kg each (equivalent to 17.21 lakh running bales of 162 kg each) as against the estimate of 12.50 lakh bales of 170 kg each (equivalent to 13.12 lakh running bales of 162 kg each) for the previous season.

- **Exports**

The Committee has revised its cotton export estimate to 28.00 lakh bales of 170 kg each (equivalent to 29.38 lakh running bales of 162 kg each). Cotton exports for the crop year 2023-24 are estimated to be higher at 12.50 lakh bales of 170 kg as against 15.50 lakh bales of 170 kg. Closing stock as on 30th September 2024 is estimated to be 23.32 lakh bales of 170 kgs each. Closing stock as on 30th September 2024 is estimated to be 28.90 lakh bales (170 kgs each) as against 30.33 lakh bales (162 kgs each) last year.

- **Cleasing stock as on 30th September 2024**

Cleasing stock as on 30th September 2024 is estimated to be 23.32 lakh bales of 170 kgs each. Closing stock as on 30th September 2024 is estimated to be 28.90 lakh bales (162 kgs each) as against 28.33 lakh bales (162 kgs each) last year.

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE
FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77775

look at the weekly movement of the cotton market

SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771 WEEKLY CHART 14.09.2024			
ICE COTTON			
MONTH	06.09.24	13.09.24	WEEKLY CHANGE
DEC	67.88	69.82	1.94
MAR'25	69.69	71.24	1.55
MAY'25	71.02	72.41	1.39
MCX (COTTON)			
SEP	59000	58600	-400
NOV	58700	58100	-600
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1622	1615.2	-7
NCDEX (COCUD KHAL)			
SEP	3452	3715	263
DEC	2975	3069	94
JAN	2962	3015	53
SMART INFO SERVICE		**CALL : 91116 77771**	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	83.95	83.89	-0.06
PAK (Pakistani Rupee)	278.408	278.575	0.167
CNY (Chinese yuan)	7.08763	7.09305	0.00542
BRAZIL (Real)	5.59875	5.56502	-0.03373
AUSTRALIAN Dollar	1.49937	1.49164	-0.00773
MALAYSIAN RINGGITS	4.33324	4.30195	-0.03129
COTLOOK "A" INDEX	80.80	81.95	1.15
BRAZIL COTTON INDEX	70.83	70.52	-0.31
USDA SPOT RATE	61.37	63.76	2.39
MCX SPOT RATE	60140	59760	-380
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	18300	18500	200
GOLD ($)	2524.60	2610.70	86.1
SILVER ($)	28.183	31.074	2.891
CRUDE ($)	67.67	68.65	0.98

This week, the international market witnessed a mixed trend.

Intercontinental Cotton Exchange prices rose by 1.94 cents in December, 1.55 cents in March and 1.39 cents in May.

On the Indian market, MCX saw a fall in cotton prices by Rs 400 in September and Rs 600 in November.

On NCDEX, cotton prices fell by Rs 7 per 20 kg, while the prices of oil cake rose by Rs 263 in September, Rs 94 in December and Rs 53 per quintal in January.

If we look at the cotton market of other countries, Cotlook "A" index saw an increase, USDA spot rate rose by 2.39 cents, while MCX spot rate saw a fall of Rs 380 per candy.

Cotton arrivals this week in major cotton producing states across the country

SMART INFO SERVICES ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL CALL : 91116 77771						
STATE	09.09.24	10.09.24	11.09.24	12.09.24	13.09.24	14.09.24
PUNJAB	-	-	-	-	-	-
HARYANA	-	-	100	100	100	100
UPPER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
LOWER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
NORTH ZONE	-	-	100	100	100	100
GUJARAT	2,000	2,000	1,800	1,700	1,500	1,500
MADHYA PRADESH	-	-	-	-	-	-
MAHARASHTRA	1,500	500	1,500	1,500	1,500	1,500
CENTRAL ZONE	3,500	2,500	3,300	3,200	3,000	3,000
KARNATAKA	1,600	2,000	1,500	1,600	1,300	1,500
ANDHRA PRADESH	800	1,000	1,000	1,000	1,000	800
TELANGANA	-	-	-	-	-	-
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	2,400	3,000	2,500	2,600	2,300	2,300
ODISHA	-	-	-	-	-	-
TOTAL	5,900	5,500	5,900	5,900	5,400	5,400
ARRIVAL IN 170 Kg.						

According to Ajit Pawar, the Centre is in favour of increasing MSP for cotton and soybean.

Maharashtra Deputy Chief Minister Ajit Pawar on Wednesday expressed hope that the central government is keen to increase the minimum support price (MSP) for key agricultural crops like soybean and cotton as well as allow exports for these products. Pawar, who also oversees the finance and planning departments, made these remarks during a meeting with farmer representatives at the ministry in Mumbai.

Pawar assured farmers that the state and central governments are committed to ensuring that they get proper compensation for crop losses. He said discussions with Union Agriculture Minister Shivraj Singh Chouhan have been positive, especially on the issues of increasing MSP and preventing fraudulent practices by insurance companies. "The central government is keen to address the concerns of farmers about compensation from crop insurance companies and its positive results will be visible soon," he said.

The deputy chief minister also highlighted the state's ambitious plan to generate 11,500 MW of solar power, which will ensure daytime power supply for agricultural pumps. Additionally, he mentioned that the government is working to remove all obstacles preventing eligible farmers from receiving loan waivers under the Mahatma Jyotirao Phule Yojana, aiming to resolve these issues by the end of September.

On the subject of crop insurance, Pawar emphasised that the government is taking a tough stand to protect farmers from fraudulent practices by insurance firms. He assured farmers that discussions are underway with insurance companies to develop more farmer-friendly solutions. Surveys are currently being conducted to assess the damage caused by heavy rains during the Kharif season and the government is making every effort to ensure that no affected farmer is left without assistance.

Pawar also mentioned that the Centre has decided not to ban onion exports, which will provide some relief to farmers. He further said that the process of transferring funds under the Mahatma Jyotirao Phule Kisan Loan Waiver Scheme is almost complete. Anomalies in payments are being reviewed to ensure that all farmers get the full benefit of their entitlement.

In the coming days, a delegation of state ministers will meet central leaders, including Union Cooperation Minister Amit Shah, to discuss pending issues such as agricultural subsidies, MSP for crops and other support measures for farmers. Efforts are also underway to distribute subsidies for agricultural wells, drip and sprinkler irrigation and fruit orchards.

In the end, Pawar assured the farmers that the state government, in coordination with the Centre, is fully committed to address their concerns and ensure that their demands are met, especially with regard to MSP, crop insurance and compensation for losses.

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

Cotton crop affected by parawilt disease in Siddipet

Due to continuous rains, cotton plants have started shedding leaves and grains prematurely, due to which farmers are very worried.

Cotton production in Gujarat expected to fall by 10 to 15 percent due to heavy rains

The continuous rains in Gujarat have caused deep concern among the farmers. There is enough water in the reservoirs, but the crops sown in the fields are getting damaged due to the flow of water. According to the estimates of the Cotton Association of India (CAI) and farmers, cotton production in Gujarat is likely to fall by 10-15 percent this year due to low sowing and crop damage caused by rain. Farmers say that the rains in June and July have caused the most damage.

Cotton prices rise in Botad marketing yard in Gujarat and increase in farmers' income

Long queues of vehicles were seen at the Botad marketing yard today to sell the farmers' crop. The yard has become the first choice of farmers as cotton prices are the highest compared to other marketing yards in Saurashtra. Farmers are getting the best prices for their produce here, increasing the popularity of Botad marketing yard.

Cotton farmers in Telangana face uncertain future due to weather uncertainty

Cotton farmers in Telangana have lost hope as adverse weather conditions are affecting their livelihood. The initial sowing of cotton, which began in late May after pre-monsoon rains, has suffered a severe setback due to prolonged drought.

Cotton prices skyrocket, 3% above MSP, prices to rise further due to low sowing

Prices in the market are constantly rising due to shortage of cotton. Cotton prices have risen 3% above the minimum support price (MSP) in the current season, and experts believe that they may jump further in the future.

This week, the cotton market witnessed a bullish trend

This week, the cotton market witnessed a bullish trend.

North Zone states of Punjab, Upper Rajasthan remained stable whereas Haryana witnessed a decline of up to Rs. 35 per candy.

Central Zone states of Gujarat, Maharashtra witnessed a decline of Rs. 100 - 200 per candy whereas Madhya Pradesh remained stable.

South Zone states of Odisha, Karnataka witnessed a decline of Rs. 300 per candy whereas Andhra Pradesh witnessed a rise of Rs. 500 per candy whereas Telangana remained stable.

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91116 77771

DATE: 14.09.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	09.09.2024		14.09.2024		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,875	5,900	5,880	5,900	0
HARYANA	27.5/28	5,810	5,810	5,775	5,775	-35
UPPER RAJASTHAN	28	5,550	5,900	5,525	5,900	0
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	58,800	60,300	58,800	60,200	-100
MADHYA PRADESH	29	59,600	59,800	59,600	59,800	0
MAHARASHTRA	29+ vid.	59,500	60,000	58,800	59,800	-200
SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	60,600	60,700	60,300	60,400	-300
KARNATAKA	29.5+	59,800	60,300	59,500	60,000	-300
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	58,500	59,000	59,000	59,500	500
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	60,500	61,000	60,500	61,000	0
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77775